खबर संक्षेप

झंडियों में छिपा पीला सोना बरामद
रेत माफिया के खिलाफ एफआईआर

ब्यौहारी। खनिज माफियाओं के नापाक मंसूबों को नाकाम करते हुए ब्यौहारी पुलिस ने अवैध रेत के खेल पर एक और बड़ी चोट की है। समधिन नदी का सीना चीरकर चोरी की गई रेत का काला साम्राज्य अब पुलिस के रडार पर है। गुरुवार को पुलिस ने ग्राम जमौड़ी में दबिश देकर झाड़ियों के पीछे छिपाया गया अवैध रेत का बड़ा जखीरा जब्त किया है। थाना प्रभारी जियाउल हक को पुख्ता खबर मिली थी कि जमौड़ी के मोहदरा मोहल्ला में ट्रैक्टरों के जरिए नदी से रेत चोरी कर डंप की जा रही है। पुलिस टीम ने जब मौके पर धावा बोला, तो झाड़ियों के बीच छिपाकर रखा गया करीब 18 घन मीटर (6 ट्रॉली) रेत का अवैध भंडार मिला। पटवारी की मौजूदगी में हुई जांच में खुलासा हुआ कि यह जमीन बृजेन्द्र सिंह (पिता गुलाबमन सिंह) की है। जब पुलिस ने भू-स्वामी बृजेन्द्र सिंह से रेत के वैध दस्तावेज मांगे, तो उसके पास बगलें झांकने के अलावा कोई जवाब नहीं था। बिना रॉयल्टी और अनुमति के अवैध भंडारण करना उसे भारी पड़ गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और खनिज अधिनियम की विभिन्न संगीन धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस की इस सख्त कार्रवाई ने साफ कर दिया है कि ब्यौहारी क्षेत्र में प्राकृतिक संपदा की लूट करने वालों को अब बख्शा नहीं जाएगा। इस सराहनीय कार्रवाई में उनि. बालकरण प्रजापति और प्रआर. हीरा सिंह की मुख्य भूमिका रही।

छादा रेलवे ट्रैक पर बुजुर्ग की संदिग्ध मौत से हडक़ंप, हत्या या हादसा

शहडोल। जिले के बुढ़ार थाना क्षेत्र के छादा रेलवे स्टेशन के पास शनिवार की रात उस वक्त सनसनी फैल गई, जब पटरियों के किनारे एक बुजुर्ग का क्षत-विक्षत शव बरामद हुआ। मृतक की पहचान धनपुरा निवासी जनार्दन द्विवेदी के रूप में हुई है। जिस संदिग्ध अवस्था में शव मिला है, उसने पुलिसिया गश्त और इलाके की सुरक्षा पर गंभीर सवालिया निशान खड़े कर दिए हैं। परिजनों और ग्रामीणों ने इसे सामान्य हादसा मानने से साफ इनकार करते हुए नियोजित हत्या की आशंका जताई है। परिजनों के मुताबिक, जनार्दन द्विवेदी शनिवार शाम रोज की तरह घर से टहलने के लिए निकले थे। जब देर रात तक वे घर नहीं लौटे, तो परिवार की धडक़नें बढने लगीं। स्वजन उनकी तलाश में भटक ही रहे थे कि तभी छादा रेलवे ट्रैक के पास एक अज्ञात शव मिलने की सूचना ने उनके पैरों तले जमीन खिसका दी। मौके पर पहुंचे परिजनों ने कपड़ों और हुलिए के आधार पर उनकी पहचान की। ग्रामीणों का आक्रोश चरम पर है। घटनास्थल का मुआयना करने वाले प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि शव जिस स्थिति में पड़ा था, वह किसी ट्रेन की चपेट में आने जैसा नहीं लग रहा। ग्रामीणों ने सीधा आरोप लगाया है कि यह गहरी साजिश का हिस्सा हो सकता है। क्या जनार्दन को मारकर ट्रैक के पास फेंका गया? क्या साक्ष्यों को मिटाने की कोशिश की गई? ये वो सुलगते सवाल हैं जिनका जवाब अब बुढ़ार पुलिस को देना है। घटना की गंभीरता को देखते हुए बुढ़ार पुलिस बल ने शनिवार देर रात और रविवार तडक़े मौके पर पहुंचकर बारीकी से सर्चिंग की है। पुलिस ने शव को पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट ही मौत के असली कारणों से पर्दा उठाएगी। इस हृदयविदारक घटना के बाद पूरे धनपुरा और छादा क्षेत्र में शोक के साथ-साथ भारी आक्रोश है। पीड़ित परिवार न्याय की गुहार लगा रहा है। सवाल यह है कि क्या सूनसान रेलवे ट्रैक अपराधियों का सुरक्षित चारागाह बन गए हैं?

सिंहपुर रोड पर विकास की अर्थी, धूल और कीचड़ की कालकोठरी में कैद जनता

शहडोल का नरक बना वार्ड नंबर 29

शहडोल।

अगर आपको शहडोल में नगर पालिका के दावों और कागजी विकास की असली नुमाइश देखनी है, तो एक बार वार्ड नंबर 29 की खाक छान लीजिए। सिंहपुर रोड से इंडस्ट्रियल एरिया की ओर जाने वाली यह सडक़ आज विकास की नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार और प्रशासनिक निरंकुशता की कहानी बयां कर रही है। यहां के रहवासियों के लिए अच्छे दिन तो दूर, सामान्य सांस लेना भी दूभर हो गया है। सालों से अधूरी पड़ी यह सडक़ आज वार्ड वासियों के लिए जी का जंजाल बन चुकी है, जहां धूल के गुबार और बदबूदार कीचड़ के बीच जिंदगी सिसक रही है।

धूल का स्लो पॉइजन

वार्ड 29 के हालात किसी गैस चैंबर से कम नहीं हैं। गर्मी हो या ठंड, यहां की सडक़ों पर उडऩे वाला धूल का बवंडर लोगों के फेफड़ों को छलनी कर रहा है। स्थानीय रहवासियों का कहना है कि सुबह घर साफ करो तो शाम तक सोफे और बिस्तरों पर धूल की इंच भर मोटी परत जम जाती है। एक पीड़ित महिला ने अपना दर्द बयां करते हुए कहा कि हम घरों में नहीं, धूल के मैदानों में रह रहे हैं। दरवाजे खोलते ही मौत (धूल) अंदर घुस आती है। हैरानी की बात यह है कि इस धूल की वजह से बच्चों और बुजुर्गों में अस्थमा, एलर्जी और सांस की गंभीर बीमारियां घर कर रही हैं, लेकिन नगर पालिका के कर्णधारों की सेहत पर जूं तक नहीं रेंग रही।

नालियां बनीं बीमारियों का पावर हाउस

सडक़ तो बदहाल है ही, जल निकासी की व्यवस्था भी पूरी तरह दम तोड़ चुकी है। सालों से जाम पड़ी नालियों का काला, सड़ा हुआ पानी अब सडक़ों पर अपनी मौजूदगी दर्ज करा रहा है। नालियों की सफाई के नाम पर केवल खानापूर्ति होती है। आलम यह है कि मोहल्ले में घुसते ही सड़ांध मारती बदबू आपका स्वागत करती है। मच्छरों का ऐसा तांडव है कि दिन में भी बैठना मुश्किल है। डेंगू और मलेरिया की आहट के बीच वार्ड वासी खौफ के साये में जीने को मजबूर हैं। राहगीर नाक पर रुमाल रखकर इस इलाके से गुजरने को विवश हैं, लेकिन साहबों की लग्जरी गाडिय़ां शीशे चढ़ाकर यहां के बदबूदार सच को नजरअंदाज कर निकल जाती हैं।

वार्ड पार्षद का चुनावी वनवास

जनता का सबसे ज्यादा गुस्सा वार्ड पार्षद और स्थानीय जनप्रतिनिधियों पर फूट रहा है। लोगों का सीधा आरोप है कि चुनाव के समय हाथ जोडक़र बड़े-बड़े वादे करने वाले नेता जी अब ढूंढने से भी नहीं मिलते। वोट बैंक की राजनीति चमकाने के बाद अब वार्ड 29 के लोग उनके लिए अछूत हो गए हैं। नगर पालिका से लेकर कलेक्ट्रेट तक गुहार लगाई गई, लेकिन आश्वासन की घुट्टी पिलाकर जनता को हर बार घर भेज दिया गया। सवाल यह है कि आखिर टैक्स भरने वाली जनता इस नारकीय जीवन को कब तक और क्यों झेले।

इंडस्ट्रियल एरिया की रीढ़ टूटी

यह सडक़ सिर्फ रहवासियों के लिए ही नहीं, बल्कि शहडोल की आर्थिक गतिविधियों के लिए भी महत्वपूर्ण है। इंडस्ट्रियल एरिया जाने वाले कामकाजी लोग और छोटे व्यापारी इस उबड़-खाबड़ रास्ते पर रोज अपने वाहन और हड्डियां तुड़वा रहे हैं। खराब सडक़ के कारण आए दिन गाडिय़ां खराब हो रही हैं और दुर्घटनाएं यहां की नियति बन चुकी हैं। यह सडक़ अब डेथ ट्रैप में तब्दील हो गई है।

अब घेरा जाएगा नगर पालिका कार्यालय

सब्र का बांध अब टूट चुका है। वार्ड 29 की जनता ने अब एकजुट होकर हुंकार भरी है। रहवासियों ने साफ चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही सडक़ निर्माण और नालियों की सफाई का कार्य धरातल पर शुरू नहीं हुआ, तो वे चक्काजाम कर नगर पालिका का घेराव करेंगे। अब यह लड़ाई सिर्फ सडक़ की नहीं, बल्कि अपने हक और सम्मान की है। शहर की सरकार को अब जवाब देना होगा, क्योंकि जनता अब जुमलों से नहीं, बल्कि ठोस काम से संतुष्ट होगी।

आज मनेगा शिव-शक्ति के मिलन का महापर्व महाशिवरात्रि

शहडोल। देवाधिदेव महादेव की भक्ति और साधना का सबसे बड़ा पर्व महाशिवरात्रि इस वर्ष 15 फरवरी को हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। फाल्गुन मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को आने वाला यह महापर्व शिवभक्तों के लिए आध्यात्मिक चेतना और आत्म-साधना का द्वार खोलता है। नगर के सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य पंडित अखिलेश त्रिपाठी ने तिथि की गणना और मुहूर्त की महत्ता पर विशेष प्रकाश डाला है।

15 या 16 यहां दूर करें संशय

पंडित अखिलेश त्रिपाठी के अनुसार, फाल्गुन कृष्ण चतुर्दशी तिथि का प्रारंभ 15 फरवरी, रविवार को शाम 5:04 बजे से हो रहा है, जो अगले दिन 16 फरवरी, सोमवार को शाम 5:34 बजे तक रहेगी। चूंकि महाशिवरात्रि में निशीथ काल (अर्धरात्रि की पूजा) का विशेष महत्व होता है, इसलिए यह महापर्व 15 फरवरी को ही शास्त्रसम्मत तरीके से मनाया जाएगा।

शिवलिंग में समाहित है ब्रह्मांड

पंडित जी बताते हैं कि उपनिषदों में वर्णित है, आकाशं लिङ्गमित्याहुः पृथ्वी तस्यपीठिका अर्थात यह आकाश स्वयं लिंग है और पृथ्वी उसकी पीठिका। इसी पावन रात्रि को निराकार महादेव पहली बार साकार लिंग रूप में प्रकट हुए थे। यही वह दिव्य रात्रि है जब शिव और शक्ति (माता पार्वती) का विवाह संपन्न हुआ था। मान्यता है कि इसी दिन सृष्टि की रक्षा हेतु महादेव ने कालकूट विष का पान कर स्वयं को नीलकंठ बनाया था।

चार पहर की पूजा, सुख-समृद्धि का मार्ग

महाशिवरात्रि पर जागरण और चार पहर की पूजा का विशेष फल मिलता है। पंडित त्रिपाठी जी के अनुसार, इस दिन व्रत रखकर जलाभिषेक करने से जन्म-जन्मांतर के पापों से मुक्ति मिलती है। प्रथम पहरः शाम को संकल्प के साथ दुग्धाभिषेक करें। द्वितीय पहर : दही से अभिषेक कर महादेव की स्तुति करें। तृतीय पहरः घृत (घी) से अभिषेक कर शिव साधना में लीन हों। चतुर्थ पहरः शहद से अभिषेक कर महादेव का आशीर्वाद प्राप्त करें।

बढ़ेगी सुरक्षा और सतर्कता

महाशिवरात्रि पर शहर के शिवालयों, विशेषकर विराटेश्वर मंदिर और सोहागपुर के प्राचीन शिव मंदिरों में भक्तों का तांता लगेगा। ज्योतिषाचार्य जी का कहना है कि बेलपत्र, धतूरा, आक के फूल और गंगाजल से किया गया पूजन आशुतोष भगवान को तत्काल प्रसन्न करता है। प्रशासन और मंदिर समितियों ने भी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए अभी से तैयारियां शुरू कर दी हैं।

गरीब की जमीन पर 'भू-माफिया' का कब्जा

शहडोल। जिले में रसूखदारों के हौसले इतने बुलंद हो चुके हैं कि उन्हें न तो कानून का खौफ है और न ही प्रशासन का डर। ताजा मामला सोहागपुर तहसील के ग्राम पटासी का है, जहां एक गरीब मजदूर की पुश्तैनी जमीन पर दबंगई के बल पर न केवल अवैध निर्माण किया जा रहा है, बल्कि विरोध करने पर उसे जातिगत गालियाँ और जान से मारने की धमकी दी जा रही है। पीड़ित रममन कोल ने अब न्याय की गुहार लगाते हुए तहसीलदार को शिकायती पत्र सौंपकर अपनी व्यथा सुनाई है।
शिकायतकर्ता रम्मन कोल के अनुसार आराजी खसरा नंबर 439 उनके पिता और दादा के नाम पर दर्ज था। आरोप है कि इम्तियाज खान उर्फ अज्जू खान नामक व्यक्ति ने राजस्व विभाग के भ्रष्ट तंत्र से सांठ-गांठ कर और मोटी रकम के दम पर इस जमीन के दस्तावेजों में हेरफेर करवाई। हद तो तब हो गई जब किसी आदिवासी व्यक्ति के नाम का सहारा लेकर इस पुश्तैनी जमीन पर कब्जा करने की साजिश रची गई।
पीड़ित का आरोप है कि दबंग अज्जू खान ने उसकी छोटी सी कुटिया को जेसीबी से जमींदोज कर दिया। बेघर हुए मजदूर ने जब अपनी जमीन बचाने की कोशिश की, तो उसे पैसे और बाहुबल के दम पर चुप कराने की कोशिश की गई। बताया जा रहा है कि वर्ष 2017 में भी इसकी शिकायत कमिश्नर और जिलाधीश से की गई थी, जिसके बाद काम रुक गया था, लेकिन अब 2026 में दोबारा वही गुंडागर्दी शुरू हो गई है।

रेत तस्करों के दो ट्रैक्टर जब्त, रेंजर पर हमले के बाद एक्शन में खाकी!

शहडोल। खनन माफियाओं के दुस्साहस को कुचलने के लिए शहडोल पुलिस अब फुल एक्शन मोड में आ गई है। सोहागपुर में वन विभाग की टीम पर हुए कायराना हमले के बाद पुलिस अधीक्षक के कड़े तेवरों ने माफियाओं की नींद उड़ा दी है। जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में छापामार कार्रवाई कर पुलिस ने अवैध उत्खनन में लगे दो ट्रैक्टरों को दबोचकर कड़ा संदेश दिया है।

सोन घडियाल क्षेत्र में सर्जिकल स्ट्राइक

पहली बड़ी चोट देवलोंद पुलिस ने गोपालपुर के प्रतिबंधित सोन घडियाल क्षेत्र में की। मुखबिर के सटीक इनपुट पर थाना प्रभारी सुभाष दुबे ने घेराबंदी कर रेत से लदे ट्रैक्टर को जप्त किया। आरोपी विनय मिश्रा के खिलाफ न केवल खनिज अधिनियम, बल्कि वन्य जीव संरक्षण अधिनियम जैसी संगीन धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। प्रतिबंधित क्षेत्र में सेंधमारी करने वालों के खिलाफ यह अब तक की सबसे सख्त कार्रवाई मानी जा रही है।

ब्यौहारी में भी माफिया पस्त

इधर, ब्यौहारी पुलिस ने भी खामडांड में दबिश देकर रेत चोरी के काले कारोबार का भंडाफोड़ किया। थाना प्रभारी जिया उल हक की टीम ने मौके से रेत से भरा ट्रैक्टर जब्त कर आरोपी राहुल उर्फ सोनी खैरवार और हिमांशु सिंह को नामजद किया है। हालिया हिंसक घटनाओं के बाद पुलिस का रुख बेहद कड़ा है। महकमे ने साफ कर दिया है कि वर्दी पर हाथ डालने या सरकारी संपदा लूटने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। इस सघन अभियान से जिले के खनन सिंडिकेट में हडक़ंप मचा हुआ है।

महाविद्यालय में गूंजी भारतीय ज्ञान परंपरा की गूंज
वसुधैव कुटुंबकम को बताया आधुनिक जीवन का आधार

शहडोल।

पंडित अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय महाविद्यालय में वैचारिक क्रांति का शंखनाद हुआ। उच्च शिक्षा विभाग मध्य प्रदेश के निर्देशानुसार और पीएम-ऊषा योजना के सौजन्य से समाजशास्त्र विभाग द्वारा भारतीय ज्ञान परंपराः धर्म, अध्यात्म एवं दर्शन की वर्तमान प्रासंगिकता विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का भव्य आयोजन किया गया। प्राचार्य डॉ. धर्मेंद्र कुमार द्विवेदी के कुशल मार्गदर्शन में आयोजित इस संगोष्ठी ने हाइब्रिड मोड (ऑनलाइन व ऑफलाइन) के माध्यम से देश भर के विद्वानों और शोधार्थियों को एक मंच पर ला खड़ा किया।

सरस्वती वंदना से हुआ वैचारिक मंथन का आगाज

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन व माल्यार्पण के साथ हुआ। संगोष्ठी में मुख्य संरक्षक एवं अतिरिक्त संचालक (रीवा) प्रो. आर.पी. सिंह, अग्रणी महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. मुकेश तिवारी और भाजपा मंडल अध्यक्ष जयश्री कचेर विशिष्ट रूप से उपस्थित रहीं। अतिथियों का स्वागत शॉल, श्रीफल और मोमेंटो भेंट कर किया गया। समाजशास्त्र विभाग की डॉ. प्रीति रजक ने विषय प्रवर्तन करते हुए संगोष्ठी के उद्देश्यों को रेखांकित किया।

वेदों में छिपा है समाधान

मुख्य वक्ता के रूप में रीवा से पधारे प्रो. महेश शुक्ला ने अपने ओजस्वी व्याख्यान में कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा केवल अतीत की धरोहर नहीं, बल्कि भविष्य का मार्गदर्शक है। उन्होंने आइंस्टीन के सिद्धांतों का गीता से संबंध जोड़ते हुए अर्जुन-कृष्ण संवाद और 18 पुराणों की प्रासंगिकता पर बल दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि आधुनिक युग में नैतिक मूल्यों की स्थापना के लिए भारतीय संस्कृति का पुनरुद्धार अनिवार्य है। विशिष्ट वक्ता डॉ. सनत कुमार शर्मा (केंद्रीय विश्वविद्यालय, गया) ने भारतीय दर्शन के छह स्तंभों का जिक्र करते हुए न्याय दर्शन को समाज के लिए संजीवनी बताया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण से लेकर स्वस्थ समाज के निर्माण तक, हमारी प्राचीन परंपराएं आज भी विज्ञान की कसौटी पर खरी उतरती हैं।

शोधार्थियों ने प्रस्तुत किए नवाचारी शोध पत्र

संगोष्ठी के तकनीकी सत्र में विभिन्न विश्वविद्यालयों से आए शोधार्थियों ने अपने शोध पत्रों का वाचन किया। कार्यक्रम का सफल संचालन संयोजक डॉ. प्रमिला वास्केल ने किया, जबकि अंत में पीएम-ऊषा प्रभारी प्रो. गजेंद्र परते ने सभी आगंतुकों, पत्रकारों और महाविद्यालय स्टाफ के प्रति आभार व्यक्त किया। इस शैक्षणिक समागम में सहायक प्राध्यापकों, विद्यार्थियों और प्रबुद्ध जनों की गरिमामई उपस्थिति ने यह सिद्ध कर दिया कि आधुनिकता की दौड़ में भी भारतीय दर्शन की जड़ें आज भी सबसे मजबूत हैं।

कलेक्टर के नाक के नीचे दबंगई
सरपंच-सचिव ने निजी जमीन पर चलवा दी जेसीबी

शहडोल। शहडोल जिले में सत्ता और पद के मद में चूर जनप्रतिनिधियों की मनमानी इस कदर बढ़ गई है कि अब वे गरीबों की निजी पट्टे की जमीन निगलने से भी गुरेज नहीं कर रहे हैं। सोहागपुर तहसील के ग्राम पंचायत केलमनियां में रसूखदार सरपंच और सचिव ने अपनी ताकत का दुरुपयोग करते हुए एक किसान की निजी आराजी पर जबरन सडक़ निर्माण का खेल शुरू कर दिया। हालांकि न्यायालय नायब तहसीलदार वृत्त अमरहा ने इस तानाशाही पर नकेल कसते हुए तत्काल अस्थाई स्थगन आदेश जारी कर यथास्थिति बनाए रखने का फरमान सुनाया, लेकिन इसका भी इन पर कोई असर होता नहीं दिख रहा है।

जान से मारने की धमकी और पद का रौब

पीड़ित किसान कुंवर सिंह गोड़ ने प्रशासन को अपनी व्यथा सुनाते हुए बताया कि उसकी आराजी खसरा नंबर 81/2, जो कि उसके मालिकाना हक की भूमि है, उस पर सरपंच कुसुम सिंह और सचिव सूरज द्विवेदी की नजरें गड़.गई हैं। आरोप है कि 29 जनवरी 2026 को इन जिम्मेदार पदों पर बैठे लोगों ने अवैध तरीके से उसकी जमीन पर खुदाई शुरू करवा दी। जब किसान ने अपनी जमीन बचाने की गुहार लगाई, तो उसे सरकारी काम में बाधा डालने के नाम पर आजीवन कारावास की धमकी दी गई और जान से मारने तक की बात कही गई।

पुलिस की चुप्पी और न्यायालय की फटकार

हैरानी की बात यह है कि पीड़ित ने 28 जनवरी को ही थाना सिंहपुर में इस भू-माफियागिरी की लिखित रिपोर्ट दर्ज कराई थी, लेकिन पुलिस ने जमीनी मामला बताकर अपना पल्ला झाड़ लिया। अंततः न्याय की चौखट पर पहुंचे किसान को बड़ी राहत मिली है। न्यायालय ने कड़ा रुख अपनाते हुए सरपंच-सचिव को निर्देशित किया है कि वे विवादित भूमि के स्वरूप में कोई बदलाव न करें और न ही किसी प्रकार का निर्माण करें।

नहीं आए तो होगी एकपक्षीय कार्रवाई

नायब तहसीलदार न्यायालय ने इस मामले में 13 फरवरी 2026 को पेशी मुकर्रर की थी, साथ ही थाना प्रभारी सिंहपुर को आदेश दिया गया है कि वे मौके पर स्थगन आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराएं। कोर्ट ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि अनावेदक (सरपंच-सचिव) नियत समय पर हाजिर नहीं होते, तो उनके विरुद्ध एकपक्षीय कठोर निर्णय लिया जाएगा। इस घटना ने साफ कर दिया है कि पंचायत के नुमाइंदे विकास के नाम पर विनाश का रास्ता चुन रहे हैं। अब देखना यह होगा कि क्या प्रशासन इन रसूखदारों पर कानूनी हंटर चलाता है या फिर किसान की जमीन पर कब्जे की यह जंग और तूल पकड़ती है।

औचक निरीक्षण पर निकलीं नपा अधिकारी, गुणवत्ता परखने खुद साथ बैठकर खाया भोजन

शहडोल

संभागीय मुख्यालय नगर पालिका परिषद की नवागत मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्रीमती आशा भंडारी इन दिनों एक्शन मोड में नजर आ रही हैं। शहर की बुनियादी व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने के संकल्प के साथ उन्होंने शनिवार को नगर पालिका अंतर्गत संचालित मुख्यमंत्री रसोई केंद्र एवं आश्रय स्थल (रैन बसेरा) का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने न केवल व्यवस्थाओं का जायजा लिया, बल्कि खामियां पाए जाने पर अधीनस्थों को कड़ी फटकार भी लगाई।
निरीक्षण के दौरान श्रीमती भंडारी सबसे पहले 25 बिस्तरीय क्षमता वाले रैन बसेरा पहुंचीं। वहां बिस्तरों की स्थिति और गंदगी देख उन्होंने गहरी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि रैन बसेरा में रुकने वाले नागरिकों को स्वच्छ वातावरण मिलना अनिवार्य है। उन्होंने तत्काल बेड शीट बदलने और पूरे परिसर की नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित करने के कड़े निर्देश दिए।
मुख्यमंत्री रसोई केंद्र के निरीक्षण के दौरान एक अलग ही नजारा देखने को मिला। भोजन की गुणवत्ता केवल कागजों या बातों में न रहे, यह सुनिश्चित करने के लिए सीएमओ स्वयं हितग्राहियों के बीच जमीन पर बैठीं और उनके साथ भोजन ग्रहण किया। भोजन की गुणवत्ता को संतोषजनक बताते हुए उन्होंने योजना प्रभारी को निर्देशित किया कि भोजन की गुणवत्ता में भविष्य में कोई गिरावट नहीं आनी चाहिए। प्रत्येक हितग्राही को नियम अनुसार भरपेट भोजन उपलब्ध कराया जाए। रसोई केंद्र को स्वच्छ, व्यवस्थित और सुसज्जित रखा जाए।
श्रीमती भंडारी ने सामाजिक सरोकार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे शहर की दानदाता संस्थाओं से संपर्क करें और इस पुनीत कार्य में उनका सहयोग प्राप्त करने की पहल करें। निरीक्षण के समय नगर पालिका के स्थापना शाखा प्रभारी मोतीलाल सिंह और सिटी मिशन मैनेजर सत्यकाम मिश्रा विशेष रूप से उपस्थित रहे। प्रशासन के इस सख्त रुख से नगर पालिका के विभिन्न विभागों में हडक़ंप की स्थिति है। स्पष्ट है कि आने वाले दिनों में शहर की नागरिक सुविधाओं में बड़े बदलाव देखने को मिल सकते हैं।

खबर संक्षेप

1 लाख से अधिक लाडली बहनों के खाते में राशि हुई अंतरित

उमरिया। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव ने पंधाना जिला खंडवा से प्रदेश कि 1.25 करोड़ महिलाओं के खाते में 1836 करोड़ रुपये अंतरित किये। जिले कि 107739 हितग्राहियों के खाते में 15 करोड़ 86 लाख 97 हजार 100 रुपये अंतरित किये। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण जिले कि आंगनबाड़ी केंद्रों में देखा एवं सुना गया।

जिला स्तर पर जिला गणना समन्वय समिति की बैठक 18 को

उमरिया। जनगणना 2027 के कार्य एवं गतिविधियों के सुचारू एवं सफल संचालन एवं पर्यवेक्षण हेतु जिला स्तर पर जिला जनगणना समन्वय समिति की बैठक का आयोजन 18 फरवरी को समय 4 बजे नियत किया गया है। जनगणना 2027 कार्य हेतु आशीष कुमार श्रीवास्तव एवं अजय सिंह जनगणना निदेशालय भोपाल को प्रशिक्षक नियुक्त किया गया है। उन्होंने कहा है कि जनगणना 2027 की कार्य संपादन हेतु बैठक नियत तिथि एवं समय पर कलेक्ट्रेट सभागार में अनिवार्य रूप से उपस्थित होना सुनिश्चित करे।

निर्माणाधीन आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में देखने को मिला ऐतिहासिक संगम

कोतमा। नगर के वार्ड क्रमांक 01 स्थित गोविंदम वैली में नव-निर्माणाधीन आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में श्रद्धा और उल्लास का ऐतिहासिक संगम देखने को मिला। बुधवार को आयोजित एक भव्य गरिमामयी समारोह में आदिनाथ भगवान की विशाल प्रतिमा को नवनिर्मित वेदी में विराजमान किया गया। इस गौरवशाली पल का साक्षी बनने के लिए समूचा जैन समाज और धर्मप्रेमी जनता बड़ी संख्या में उमड़ पड़ी। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः काल भव्य घटयात्रा के साथ हुआ। यह शोभायात्रा पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर से भगवान की प्रतिमा एवं महावीर दिगंबर जैन मंदिर से पावन 'श्री यंत्र जी' को लेकर घट यात्रा निकालकर नगर भ्रमण में गाजे-बाजे के साथ शुरू हुई और आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर परिसर पहुंची, घटयात्रा में सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। विशेष रूप से महिलाएं और पुरुष पारंपरिक पीले वस्त्रों में सुसज्जित थे।

गांव की रहन सहन पारम्परिक वेश-भूषा देखकर हुए गदगद

मानपुर ब्लॉक दमना गांव में पहुंचे फ्रांस के टूरिस्ट

परम्परा अनुसार हल्दी चावल और गुलाल से किया स्वागत

उमरिया।

मध्य प्रदेश शासन की प्रदेश में टूरिज्म को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रिस्पांसिबल टूरिज्म के कॉन्सेप्ट पर काम करते हुए प्रदेश के ऐसे टूरिस्ट गांव में जहां पर प्राकृतिक रूप से सुंदरता झरना, खेती और अन्य प्रकार की गतिविधियां की जा सके ऐसे गांव का चयन कर वहां के निवासियों के सहयोग से होमस्टे के कॉन्सेप्ट के साथ होम स्टेट निर्माण किये जा रहे हैं जहां पर देशी व विदेशी अतिथि आकर वहां रहकर गांव के चूल्हे मे बना खाना,बैलगाड़ी में घूमने, बांस के बर्तनों की डिजाइन, मिट्टी से बनाए गए बर्तनों की जानकारी से आनंदित होते हैं।

गांव के समूह की महिलाएं अपने दिनचर्या की गतिविधियों में मेहंदी लगाना, साड़ी पहनाना, हाथ से रोटी बनाना, चटनी पीसना, अपने खेत से सब्जी तोडना आदि छोटी-छोटी गतिविधियों के द्वारा उन विदेशी मेहमानों को अपने भारतीय संस्कृति से प्रभावित कर रही हैं। होमस्टे में उमरिया जिले के मानपुर ब्लॉक के दमना गांव में फ्रांस के टूरिस्ट पहुंचे । जहां पर उनका स्वागत ग्रामीणों के व्दारा चावल, गुलाल से किया गया। टूरिस्ट ग्रामीण परंपरा से अवगत होकर गदगद हो गए । विदित हो कि दमना मरईकला और पनपथा में होमस्टे बनकर तैयार है। जो आने वाले दिनो में ग्रामीण जनों की आमदनी का जरिया बनेगा। बैलगाड़ी में गांव घूमना अपने आप में विदेशी मेहमानो के लिए बहुत ही नया अनुभव रहा। बघेलखण्ड के बरा, मुंगोरा, कढ़ी,मक्का की रोटी, कुटकी महुआ की खीर आदि देशी व्यंजनों का भरपूर स्वाद चखा। गांव में ही शाम को रामायण का पाठ भी किया गया। गांव के (टाईगर होमस्टे) चन्द प्रकाश शुक्ला (महूआ होमस्टे) कमलेश गुप्ता (बांधवी होमस्टे) बालमुकुंद शुक्ला (चुआ होमस्टे) रामप्रताप सिंह (डिअर होमस्टे) संगीत सिंह के होमस्टे में रुके। मानव जीवन विकास समिति के द्वारा अनुवादक के लिया यथार्त जी भोपाल से,गाइड के रूप में भानु शर्मा, लोकल गाइड रामप्रकाश पटेल उपस्थित रहे। साथ में गांव की महिलाओं ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया।

हाई स्कूल कि नेशनल स्किल क्वालीफिकेशन फ्रेम वर्क के समस्त विषयो की परीक्षा सम्पन्न

उमरिया।

जिले में आज हाईस्कूल कि नेशनल स्किल क्वालीफिकेशन फ्रेम वर्क के समस्त विषयो की परीक्षा 21 परीक्षा केंद्रों में सम्पन्न हुई। जिले के सभी परीक्षा केन्द्रों पर निरीक्षण दलों द्वारा सघन निरीक्षण किया गया।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत एवं नोडल अधिकारी मण्डल परीक्षा अभय सिंह द्वारा मण्डल के निर्देशानुसार परीक्षा केन्द्रों में नियुक्त कलेक्टर प्रतिनिधियों द्वारा प्रश्नपत्र थाने से निकालने एवं परीक्षा केन्द्र तक ले जाने व परीक्षा केन्द्र में मोबाईल एप के माध्यम से किये जाने वाले कार्य की मॉनीटरिंग की गई व समय पर सभी परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षा प्रारंभ होने के उपरांत निर्धारित प्रारूप में जानकारी माध्यमिक शिक्षा मण्डल भोपाल की ओर भेजने के निर्देश दिये गये। मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा मण्डल परीक्षा से संबंधित समस्त गतिविधियों पर सतत निगरानी रखते हुये निरंतर सभी कार्यों की मॉनीटरिंग प्रतिदिन की जा रही है। जिला शिक्षा अधिकारी आर.एस. मरावी द्वारा परीक्षा केन्द्र शा.उ.मा.वि. करकेली, शा.उ.मा.वि. मॉडल करकेली, शा.उ.मा.वि. घुलघुली, शा.उ.मा.वि. कन्या पाली एवं शा.उ.मा.वि. उत्कृष्ट पाली का निरीक्षण किया गया, परीक्षा शांति पूर्वक एवं सुचारू रूप से संचालित होना पायी गयी।

परीक्षा में कुल दर्ज 1042 में से 1026 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी वही 16 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे। परीक्षा में किसी भी परीक्षा केन्द्र में नकल प्रकरण दर्ज नहीं हुये, नकल प्रकरण निरंक है।

सभी परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षा व्यवस्था एवं संचालन मंडल के निर्देशानुसार उचित एवं व्यवस्थित पायी गयी, सभी परीक्षा केन्द्रों पर पुलिस बल तैनात पाया गया। परीक्षा केन्द्रों पर 144 धारा लगाने के फलस्वरूप बाहय भीड़ एवं असमाजिक तत्वों की भीड़ नहीं दिखाई दी, परीक्षायें शांति पूर्ण संचालित पायी गयी ।

फायलेरिया बीमारी के नियंत्रण के लिए घर घर खिलाई जा रही दवा

उमरिया।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. व्ही.एस.चंदेल ने बताया कि एम.डी.ए./सामूहिक दवा सेवा अभियान के सफल संचालन के लिए पाली में सामूहिक दवा सेवन (एम.डी.ए.)अभियान विकासखंड पाली से समस्त ग्रामों के लिए सामूहिक दवा सेवन कार्यक्रम प्रारंभ किया गया है। अभियान के तहत 14 फरवरी से 20 फरवरी तक दल द्वारा घर-घर जाकर दवा का सेवन कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि 21 फरवरी से 24 फरवरी तक, मापअप राउन्ड के तहत छूटे हुए लोगों को दवा का सेवन कराया जाना है। फायलेरिया बीमारी से बचने के लिए दवा का सेवन आवश्यक है। फायलेरिया की बीमारी कभी भी किसी को भी हो सकती है।

इसलिए आवश्यक है कि दवाई का सेवन स्वयं करें और अपने संपर्क के लोगों को भी दवा खाने के लिए जागरूक करें। उन्होंने बताया कि वर्ष में एक बार 02 साल से कम उम्र के बच्चों, गर्भवती माताओं, गंभीर रूप से बीमार व्यक्तियों को छोडक़र शेष सभी जन समुदाय को निर्धारित मात्रा में फायलेरिया रोधी दवा डीईसी (डाय इथाइल कार्बामैजीन) एवं एल्वेन्डाजोल का सेवन कराया जाना आवश्यक है। दवा का सेवन खाली पेट नहीं करना है। एल्वेन्डाजोल की गोली चबाकर ही खाना है। 2 से पांच वर्ष के बच्चों को 1 डीईसी टेबलेट तथा 1 एल्वेन्डाजोल, 6 से 14 वर्ष के बच्चों को 2 डीईसी टेबलेट तथा एक एल्वेन्डाजोल एवं 15 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को 3 डीईसी टेबलेट एवं एक एल्वेन्डाजोल टेबलेट खिलाई जानी है।

बांधवगढ़ की सरहद पर भालू, ग्रामीण पर किया हमला

उमरिया।

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के बफर जोन से सटे इलाकों में अब इंसानी जिंदगी की कीमत कौडिय़ों के दाम रह गई है। शुक्रवार की देर शाम धमोखर परिक्षेत्र के रायपुर इलाके में एक खूंखार भालू ने 65 वर्षीय बुजुर्ग पर मौत बनकर हमला कर दिया। इस रोंगटे खड़े कर देने वाली घटना ने वन विभाग के सुरक्षा दावों की कलई खोलकर रख दी है। इलाके में दहशत का ऐसा मंजर है कि लोग अब अपने ही घरों में कैद होने को मजबूर हैं।

गेहूं पिसवाकर लौट रहे ग्रामीण पर वार

कुम्हर्रा गांव निवासी कमल सिंह शुक्रवार शाम रायपुर से गेहूं पिसवाकर अपने घर की ओर पैदल लौट रहे थे। महुआ हार के पास सूनसान रास्ते पर घात लगाए बैठे दो भालुओं ने उन्हें घेर लिया। इससे पहले कि बुजुर्ग संभल पाते, एक आक्रामक भालू ने उनके ऊपर छलांग लगा दी। भालू के नुकीले पंजों ने कमल सिंह की जांघ को बुरी तरह चीर दिया।

चीख-पुकार सुनकर दौड़े ग्रामीणों ने किसी तरह उनकी जान बचाई, वरना मंजर और भी खौफनाक हो सकता था।

अस्पताल में जिंदगी की जंग

लहूलुहान हालत में बुजुर्ग को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। घटना के बाद नींद से जागे वन विभाग के अमले ने आनन-फानन में अस्पताल पहुंचकर खानापूर्ति शुरू कर दी है। हालांकि, ग्रामीणों का गुस्सा सातवें आसमान पर है। लोगों का कहना है कि जब वन्यजीव आबादी वाले क्षेत्रों (राजस्व क्षेत्र) में घुसकर शिकार कर रहे हैं, तो गश्ती दल कहाँ चैन की नींद सो रहा है?

सावधान! मौत बनकर घूम रहे वन्यजीव

वन विभाग ने अब गांवों में मुनादी पिटवाकर अलर्ट जारी किया है। अधिकारियों का तर्क है कि जंगल से सटे इलाकों में आवाजाही बढ़ गई है, इसलिए ग्रामीण समूह में निकलें। सवाल यह उठता है कि क्या केवल एडवाइजरी जारी कर देने से ग्रामीणों की जान सुरक्षित हो जाएगी। क्या विभाग किसी बड़ी अनहोनी का इंतजार कर रहा है। फिलहाल, रायपुर और आसपास के गांवों में सन्नाटा पसरा है और ग्रामीण दहशत के साये में जीने को मजबूर हैं।

महाशिवरात्रि पर्व पर निकाली जाएगी भगवान भूत भावन की भव्य बारात

हरिभूमि न्यूज कोतमा।

नगर सहित कोयलांचल एवं ग्रामीण क्षेत्रों मे महाशिवरात्रि का पर्व आस्था और उल्लास के साथ मनाया जाएगा। शिवरात्रि पर्व को लेकर शिवालयों में आकर्षक साज सज्जा की गई है। महाशिवरात्रि को लेकर इस साल धार्मिक और ज्योतिषीय जगत में खास उत्साह देखने को मिल रहा है। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, इस साल महाशिवरात्रि पर लगभग 300 साल बाद एक दुर्लभ संयोग बन रहा है, जिसे भगवान शिव की विशेष कृपा का संकेत माना जा रहा है। वैसे तो साल में 12 शिवरात्रि आती हैं, लेकिन फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को पड़ने वाली महाशिवरात्रि का महत्व सबसे अधिक होता है। मान्यता है कि इस दिन की गई पूजा, व्रत और साधना का फल कई गुना बढ़ जाता है।

महाशिवरात्रि की पूजा

महाशिवरात्रि की पूजा चार प्रहर में की जा सकती है। प्रथम प्रहर में भगवान शिव का दूध से अभिषेक किया जा सकता है। दूसरे प्रहर में दही से अभिषेक, तीसरे प्रहर में शुद्ध देसी घी से अभिषेक और चौथे प्रहर में शहद से अभिषेक किया जा सकता है। महाशिवरात्रि के दिन शिव स्तुति, शिव मंत्र, शिव सहस्त्रनाम, शिव चालीसा, शिव तांडव, रुद्राष्टक, शिव पुराण और शिव आरती गाना अत्यधिक फलदायी माने जाते हैं। कहते हैं ऐसा करने पर महादेव प्रसन्न हो सकते हैं और हर मनोकामना पूर्ण करते हैं।

निकाली जाएगी बारात

कोतमा नगर में महाशिवरात्रि पर्व के दिन गौरीशंकर मंदिर से भगवान भोलेनाथ की बारात निकाली जाएगी। गौरी शंकर मंदिर समिति के अध्यक्ष आशुतोष चंद्रा, राहुल श्रीवास्तव ने बताया कि भगवान भोलेनाथ की बारात निकाली जाएगी जो नगर भ्रमण करते हुए गांधी चौक पहुंचेगी गांधी चौक में तांडव नृत्य का आयोजन किया जाएगा। उसके बाद झांकी नगर भ्रमण करते हुए वापस गौरीशंकर मंदिर पहुंचेगी। चलित झांकी में जीवंत शिव पार्वती की झांकी तैयार की जाएगी। झांकी में बाहर से आये कलाकारों के द्वारा भगवान भोलेनाथ का भजन भी किया जाएगा। उसके उपरांत बस स्टैंड परिसर में तांडव नृत्य का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इससे पूर्व मंदिर में मानस का पाठ एवं भंडारे का आयोजन भी किया जाएगा।

फूलों से सजाया जाएगा

महाशिवरात्रि पर्व पर गौरी शंकर मंदिर को भव्य रूप से फूलों से सजाया जाएगा रोशनी की जाएगी मंदिर परिसर से लेकर बस स्टैंड तक लाइटिंग की व्यवस्था की जाएगी।

जगह-जगह होंगे स्वागत भंडारे

महाशिवरात्रि के दिन शंकर जी की बारात निकाली जाएगी जिनका स्वागत नगर में जगह-जगह पुष्प वर्षा करते हुए नगरवासियों के द्वारा किया जाएगा। व्यापारियों समाजसेवियों के द्वारा जगह-जगह भंडारे का आयोजन किया जाएगा। कोयलांचल क्षेत्र के कोतमा भालूमाड़ा जमुना कालरी सहित ग्रामीण क्षेत्र के शिव मंदिरों को भव्य रूप से सजाया गया है। कोतमा नगर के ठाकुर बाबा धाम मंदिर निगवानी रोड शिव मंदिर लहसुई कैंप धर्मशाला मंदिर सहित ग्रामीण क्षेत्र के ठोढहा गांव के सिद्ध बाबा मंदिर में भंडारे का आयोजन किया गया है।

लगेंगा मेला

महाशिवरात्रि पर्व पर कोयलांचल क्षेत्र के भालूमाड़ा के पास शिवलहरा धाम में दो दिवसीय मेला का आयोजन किया जाएगा। कोतमा नगर के गौरी शंकर मंदिर में महाशिवरात्रि पर्व के दिन से मानस पाठ का आयोजन शुरू किया जाएगा जो निरंतर 24 घंटे तक चलने के उपरांत दूसरे दिन समापन के पश्चात विशाल भंडारे का आयोजन किया जायेगा।

अनूपपुर की रेउला पंचायत में अदृश्य विकास का चमत्कार

सचिव ने कागजों पर ही उगा दिया 5 लाख का पार्क

हरिभूमि न्यूज बदरा/जमुना।

सरकारी तंत्र में ऊपर से खाऊ और नीचे से बाटू का खेल तो पुराना है, लेकिन जनपद पंचायत अनूपपुर की ग्राम पंचायत रेउला में भ्रष्टाचार की जो नई इबारत लिखी गई है, उसने जिले के प्रशासनिक गलियारे में हड़कंप मचा दिया है। यहाँ विकास की ऐसी 'जादुई छड़ी' चली है कि जमीन पर एक गड्ढा तक नहीं खोदा गया, लेकिन सरकारी तिजोरी से लाखों रुपये गायब हो गए। सचिव की जादुई कलम ने फाइलों में एक ऐसा हरा-भरा पार्क खड़ा कर दिया है, जिसे रेउला की जनता आज भी अपनी आँखों से देखने के लिए तरस रही है। यह मामला सीधे तौर पर जनता की गाढ़ी कमाई पर डाका डालने और सरकारी योजनाओं का मजाक उड़ाने का एक ज्वलंत उदाहरण बन गया है। अगर इस पूरे घोटाले की गहराई में जाएँ तो सरकारी रिकॉर्ड के मुताबिक रेउला में 'ग्रामीण पार्क' निर्माण के लिए 4,79,000 की भारी-भरकम राशि स्वीकृत की गई थी। पंचायत राज के कड़े नियम और निर्देश स्पष्ट रूप से कहते हैं कि किसी भी निर्माण कार्य का भुगतान उसकी भौतिक प्रगति यानी जमीन पर हुए काम को देखकर ही किस्तों में किया जाएगा। लेकिन यहाँ तो सचिव की 'सेटिंग' और रसूख के आगे नियम बौने साबित हो गए। धरातल पर काम के नाम पर एक पत्थर भी नहीं हिला और न ही सुंदरीकरण की कोई शुरुआत हुई, मगर सचिव की प्रशासनिक चतुराई देखिए कि उन्होंने लगभग 4,00,000 की राशि का आहरण सफलतापूर्वक कर लिया। बिना काम के इतनी बड़ी रकम की निकासी करना न केवल वित्तीय अनियमितता है, बल्कि एक गहरी आपराधिक साजिश की ओर इशारा करता है। इस पूरे खेल में सबसे संदिग्ध और रहस्यमयी भूमिका उन तकनीकी अधिकारियों और इंजीनियरों की नजर आती है, जिन्होंने दफ्तर के बंद कमरों में बैठकर 'वर्चुअल पार्क' की मूल्यांकन रिपोर्ट तैयार कर दी। यह सवाल उठना लाजिमी है कि आखिर किस आधार पर मूल्यांकन की फाइलें दौड़ाई गईं और किसने उस बंजर जमीन पर हरियाली देखकर हस्ताक्षर कर दिए? क्या उन जिम्मेदार अधिकारियों को जमीन पर फैला सन्नाटा और कटीली झाड़ियाँ दिखाई नहीं दीं, या फिर 'कमीशन' के खेल ने उनकी आँखों पर भ्रष्टाचार की पट्टी बांध दी थी? यह साफ है कि यह घोटाला केवल एक सचिव तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें मूल्यांकन करने वाले से लेकर भुगतान की फाइल आगे बढ़ाने वाले हर हाथ की अपनी हिस्सेदारी नजर आती है। हैरानी की बात तो यह भी है कि जनपद पंचायत अनूपपुर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी की नाक के नीचे इतना बड़ा फर्जीवाड़ा हो गया और प्रशासन को इसकी भनक तक नहीं लगी। ग्रामीणों के बीच यह चर्चा आम है कि सरपंच, सचिव और जनपद के कुछ प्रभावशाली अधिकारियों ने मिलकर भ्रष्टाचार का एक ऐसा 'सुरक्षा कवच' तैयार किया है, जिसे भेद पाना किसी आम आदमी के बस की बात नहीं है। बिना वरिष्ठ अधिकारियों के संरक्षण या उनकी मौन सहमति के, एक सचिव की इतनी हिम्मत कैसे हो सकती है कि वह सरेआम शासन के खजाने में सेंध लगा दे? यह लापरवाही है या मिलीभगत, इसकी उच्च स्तरीय जांच अब अनिवार्य हो गई है। रेउला पंचायत का यह मामला प्रदेश सरकार के उन दावों की भी पोल खोलता है जिनमें भ्रष्टाचार के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' की बात कही जाती है। जिस पैसे से गाँव के मासूम बच्चों के खेलने के लिए पार्क बनना था और बुजुर्गों के लिए टहलने की जगह तैयार होनी थी, वह पैसा आज सचिव और उनके गिरोह की विलासिता का साधन बन रहा है। सचिव जैसे कर्मचारी सरकारी व्यवस्था के लिए किसी 'कैंसर' से कम नहीं हैं, जो अंदर ही अंदर विकास की जड़ों को खोखला कर रहे हैं। अब देखना यह है कि क्या जिला कलेक्टर इस 'बिना काम, पूरा दाम' वाले घोटाले पर कड़ा संज्ञान लेंगे या फिर हमेशा की तरह जांच की फाइलें ठंडे बस्ते में डाल दी जाएंगी? रेउला की जनता अब दोषियों को सलाखों के पीछे देखने और अपने हक के पैसे की वसूली का इंतजार कर रही है।

खबर संक्षेप

आइये जानते हैं ज्योतिष मर्मज्ञ श्रीनाथ प्रपन्नाचार्य जी द्वारा शिवरात्रि में राशि अनुसार पूजन विधि

इस महाशिवरात्रि में 25 साल बाद बन रहें हैं दुर्लभ संयोंग मेष राशि वाले दूध तो कर्क वाले चढ़ाएं चमेली का तेल मीन वाले इत्र, महाशिवरात्रि पर आपकी राशि अनुसार उपायमान्यता है कि अगर महाशिवरात्रि के दिन राशि के अनुसार कुछ विशेष उपाय किए जाएं, तो पूरे साल भगवान शिव की कृपा बनी रहती है और जीवन में सुख-समृद्धि आती है.हिंदू धर्म में महाशिवरात्रि को अत्यंत पवित्र और फलदायी पर्व माना गया है. यह हिंदू धर्म के सबसे महत्वपूर्ण त्योहारों में से एक है, जिसका भक्त पूरे वर्ष इंतजार करते हैं. हर साल फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को यह महापर्व श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया जाता है. शिव उपासकों के लिए यह दिन विशेष साधना और आराधना का अवसर होता है. इस वर्ष महाशिवरात्रि 15 फरवरी को आ रही है, जिस दिन भगवान शिव और माता पार्वती की विधिपूर्वक पूजा-अर्चना की जाती है. मान्यता है कि यदि इस दिन अपनी राशि के अनुसार कुछ विशेष उपाय किए जाएं, तो पूरे साल महादेव की कृपा बनी रहती है और जीवन में सुख-समृद्धि आती है प्रसिद्ध आचार्य श्रीनाथ प्रपन्नाचार्य जी महाराज से जानते हैं कि महाशिवरात्रि के दिन 12 राशियों के लिए कौन-कौन से उपाय शुभ माने गए हैं*वैसे तो शिवरात्रि में रात्रि के चार पहर के पूजन का अत्यधिक महत्व है जैसे प्रथम प्रहर सायम 6 बजे से 9 बजे रात्रि तक द्वितीय प्रहर रात्रि 9 से बजे से 12 बजे रात्रि तकतृतीय प्रहर रात्रि 12 बजे से 3 बजे रात्रि तक चतुर्थ प्रहर प्रातः 3 बजे से 6 बजे प्रातः तक यह शिवरात्रि के चार प्रहर हैं अर्थात शिव की रात्रि शिवरात्रि आइये अब जानते हैं राशिगत पूजन विधि मेष- भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए महाशिवरात्रि वाले दिन मेष राशि के जातकों को भोलेनाथ को गायकी दूध अर्पित करने चाहिए और हलुआ गरीबों को तथा भक्तों को खिलायें ऐसा करने से भगवान शंकर जी कृपा सदैव बनी रहेगी.वृषभ- फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को इस राशि के जो जातक हैं, उन्हें भगवान शिव को दूध मिश्रित जल चढ़ाना चाहिए और पूड़ी सब्जी खिलाये इससे उनके हर कार्य संपन्न होंगे मिथुन- इस राशि के जातक महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव को दही मिश्रित जल चढ़ाएं फलो का दान करें जिससे उनके आने वाले कष्ट समाप्त होंगे.कर्क- महाशिवरात्रि के दिन कर्क राशि के जातक भगवान शिव को चमेली का तेल या इत्र अर्पित करें और खिचड़ी का दान करें जिससे उन्हें महादेव का विशेष आशीर्वाद मिलेगा सिंह- भगवान शिव की विशेष कृपा पाने के लिए सिंह राशि के जातक महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव के मंदिर जाकर घी का दीपक जलाएं और गरीबों को खीर खिलायें ऐसा करने से उनके आने वाले सभी कार्य बिना किसी रुकावट के संपन्न हो सकेंगे.कन्या- इस राशि के जातक महाशिवरात्रि पर काले तिल और जल मिलाकर शिवलिंग का अभिषेक करें तथा केले का दान करें ऐसा करने से उनके रुके हुए कार्य जल्द पूरे होंगेतुला- इस राशि के जातक महाशिवरात्रि के दिन महादेव की विशेष कृपा पाने के लिए शिव मंदिर जाकर जल में सफेद चंदन मिलाकर भगवान शंकर को चढ़ाएं और चावल का दान करें ऐसा करने से उन्हें हर क्षेत्र में सफलता मिलेगीवृश्चिक- महाशिवरात्रि के दिन वृश्चिक राशि के जातक भगवान शिव को जल और बेलपत्र चढ़ाएं. ऐसा करने से महादेव की विशेष कृपा प्राप्त होगी तथा लड्डू का दान करें धनु- भोलेनाथ की विशेष कृपा पाने के लिए धनु राशि के जातक भगवान शंकर के मंदिर जाकर उन्हें जल अर्पित करें. इसके बाद तिल, जौ और चावल का दान करें. महादेव की कृपा मिलेगीमकर- इस राशि के जातक भगवान शिव की असीम कृपा पाने के लिए महाशिवरात्रि पर शिव मंदिर जाकर पूजन के बाद गरीबों को धन का दान करें. इससे आर्थिक तंगी से छुटकारा मिलेगा.कुंभ- इस राशि के जातक महाशिवरात्रि के दिन शिव मंदिर जाकर गुलाब का फूल तथा नीली वस्तु चढ़ाये भगवान के दर्शन के बाद गरीबों और जरूरतमंदों को भोजन कराएं. इससे जीवन में अन्न और धन की कमी नहीं होगी.मीन- महाशिवरात्रि के दिन मीन राशि के जातक भगवान शंकर का रुद्राभिषेक करें. इत्र अवश्य चढ़ाये इसके बाद गरीबों को चावल, दाल, चीनी, सौंफ और सुपारी का दान करें. महादेव की कृपाहोगी।

आज महाशिवरात्रि का पर्वसिद्ध बाबा डोंगरिया में 15, 16 फरवरी दो दिवसीय मेला

अभाव, असुविधाओं के बावजूद आस्था का केन्द्र बना सिद्धनाथ मंदिर, मंदिर स्थल में पेयजल, सेड व बैठने तक की व्यवस्था आज तक नहीं बनी

3धनपुरी।

नगर के वार्ड नंबर 28 में स्थित सिद्धनाथ मंदिर डोंगरिया (150-200 फीट ऊंची पहाड़ी) में भोलेनाथ, सिद्धनाथ, अन्य देवी देवताओं की मूर्ति स्थापित की गई है जो आस्था का केंद्र बिंदु बनी हुई है। सिद्धनाथ मंदिर डोंगरिया प्रांगण में दिन रविवार को 15-16 फरवरी 2026 महाशिवरात्रि पर्व पर पिछले करीब 50 वर्षों से 2 व्दिवसी मेला का आयोजन किया किया जा रहा है,

जहां भारी संख्या में आसपास के महिलाएं पुरुष बच्चे मेले में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेते और और तरह-तरह के खिलौनों का आनंद उठाते हैं। जटाधारी बाबा की समाधिप्राकृतिक सौंदर्य एवं आदिवासी अंचल की छबि लिए अमरकंटक मार्ग पर पहाड़ो पर बने सिद्धनाथ बाबा मंदिर डोगरिया महाशिवरात्रि मेले के लिए प्रसिद्ध है लगभग 50 वर्ष से यहां पर अनवरत मेला लग रहा है। उक्त मंदिर की स्थापना श्री गोमती गिरि बाबा जी के माध्यम से हुई बताया जाता है कि मंदिर में 7 फीट जटाधारी बाबा जी की समाधि स्थल भी है। सिद्धनाथ मंदिर पहाड में पहुंचने के लिए 108 सीढ़ी चढ़ कर भक्तजन पहुंचते हैं। मन्दिर जहां भगवान शिवलिंग जी के दर्शन होते है ।विकास के नाम पर रोना सिद्धनाथ बाबा मन्दिर डोगरिया के निवासियों ने बताया कि दो दिवसीय मेले का आयोजन किया जाता है लेकिन मेले में हजारों की संख्या में भक्तजन आस्था का केंद्र बिंदु सिद्धनाथ मंदिर पूरे आस्था के साथ अपनी मुराद माथा टेकने पहुंचते हैं लेकिन आज भी नगर पालिका के द्वारा विकास के नाम पर कुछ नहीं किया गया। श्रद्धालु जब 108 सीढ़ी चढ़कर भोलेनाथ, सिद्धबाबा का दर्शन करने के पश्चात ऊपर बैठने के लिए सोचते हैं लेकिन यहां पर ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है ना कोई बैठने के लिए सेट की व्यवस्था बनाई गई ना पानी की व्यवस्था ना लाइट की व्यवस्था आज तक नहीं की गई। जिसके चलते श्रद्धालु जनों को शीघ्र नीचे आना पड़ता है।नगर प्रशासन से अपेक्षामहाशिवरात्रि पर्व पर मेले में देखा गया कि हजारों की संख्या में बच्चे बूढ़े महिलाएं दर्शन करने हेतु ऊपर पहुंचकर दर्शन लाभ लिया लेकिन सुकून के कुछ पल बैठने की व्यवस्था होती तो श्रद्धालु बैठ कर सकून के कुछ पल गुजार लेते लेकिन ऐसी कोई व्यवस्था नहीं बनाई गई जो ऊपर पहुंचने पर 2 मिनट के लिए भी कहीं बैठकर विश्राम थकान दूर किया जा सके। अगर अच्छी व्यवस्था बनाई गई होती तो नगर के आसपास लोगों के लिए एक पिकनिक स्थल का रूप भी ले लेती नगर वासियों ने नगरपालिका से अच्छी व्यवस्था की मांग की जा रही है उम्मीद है कि अगले वर्ष नवरात्रि पर्व पर लोगों को सभी सुविधा मिलने नगर पालिका प्रशासन इस ओर ध्यान दें।सुबह से मंदिरों में गूंजेंगे घंटी घड़ियालमहाशिवरात्रि का पावन पर्व रविवार 15 फरवरी को कोयलांचल क्षेत्र सहित धनपुरी में आस्था और उल्लास के साथ शिवरात्रि का पर्व नाया जाएगा। श्री राधा कृष्ण मंदिर ,ज्वालामुखी मंदिर, खेर माता मन्दिर, शिव मंदिर विलियस नंबर 1 ,चीप हाउस शंकर मंदिर, नगरपालिका के सामने शंकर मंदिर, वार्ड नंबर 21 महेंद्र पांडे निज निवास में भोलेनाथ की पूजा भंडारे का आयोजन, नगर कई घरों में स्थित मंदिरो पर पूजा अर्चना हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी सुबह से ही मंदिरों में भक्ति भाव के साथ भगवान भोलेनाथ और मां गौरी की पूजा में भक्त कोई कमी नहीं रखना चाहते। शिव मंदिर पहुंचे भक्तों ने भोलेनाथ का प्रिय बेलपत्र, सफेद फूल, पेड़ों पर आई नई बौर, बेल व गेहूं की बाली सहित दूध, दही आदि से विधि-विधान के साथ शिवलिंग में स्नान कराकर पूजा-अर्चना करते महाशिवरात्रि बनाएंगे1

जन संपर्क,जन सेवा के लिए घर घर पहुँच विधायक सुश्री मीना सिंह ने चलाया अभियान

बिरसिंहपुर पाली । मानपुर क्षेत्र की लोकप्रिय विधायक सुश्री मीना सिंह इन दिनों पाली विकास खंड के गाँवो में घर घर पहुँच कर लोगों की समस्याओं के निराकरण करने में जुटी हुई है, इस बाबत बीते दिवस उन्होंने छह गाँवों का भ्रमण कर लोगों का हाल चाल जाना। महरोई ग्राम पंचायत के बंधवा वारा पहुचने पर उनका स्वागत महरोई ग्राम पंचायत की सरपंच श्री मती ममता सिंह ने विधायक सुश्री मीना सिंह का भव्य स्वागत, वंदन अभिनंदन किया। इस दौरान उनके साथ भारतीय जनता पार्टी के नव नियुक्त मंडल अध्यक्ष अशोक नायक, जिला मंत्री अमृत लाल जयसवाल, वरिष्ठ भाजपा नेता राम दयाल यादव अमिलिहा सरपंच वैंकट सिंह खैरवार, भिम्माडोगरी के सरपंच बिन्द कुमार, विनय केवट, सुरेश सिंह जी साथ रहें। विधायक ने ममता सिंह सरपंच के घर पर ही लोगों का जमावड़ा लग गया। विधायक ने सबका कुशलक्षेम पूंछा और शासन के व्दारा मिलने वाली योजनाओं के बारे में जानकारी ली। विधायक इन दिनों क्षेत्र भ्रमण करते हुए लोगों को मिलने वाली हितग्राही मूलक योजनाओं की निगरानी कर उन्हें जनता तक सीधे, और सुगमता पूर्वक पहुँच रही हैं कि नहीं उसकी असलियत जानने के लिए हर व्यक्ति से मुखातिर होने का प्रयास कर रही है। सुश्री विधायक जी ने ग्रामीण जनों से कहा की शासन की योजना मिलने पर कहीं भी समस्या आती है तो आपके लिए सदैव मेरे दरवाजे खुले है, आप कभी भी कही भी आप मिलकर मुझे बता सकती है, उसका तत्काल समाधान किया जायेगा, साथ ही दोषियों को बक्सा नहीं जायेगा। सुश्री मीना सिंह ने महरोई सरपंच ममता सिंह के कार्य शैली की सराहना करते हुए कहा कि ममता बहन सुलझी और समस्याओं के त्वरित निराकरण की क्षमता रखती है, यही वजह है कि वह सीधे जनता से जुडकर काम कर रही है, यही काबिलियत से उन्हें दुबारा सरपंच पद की ताजपोशी मिली है। विधायक सुश्री मीना सिंह ने महरोई के साथ भिम्माडोगरी, अमिलिहा, सेमरिहा ग्राम पंचायत में जनता से मिलने उनके घर घर पहुंच रही है। जन संपर्क और जन सेवा के लिए विधायक के इस कदम की चहुँ ओर सराहना की जा रही है।

मैगजीन के नीचे से कोयला निकालने की तैयारी मां काली की प्रतिमा होगी पुर्नस्थापित

अमलाई

खुली खदान परियोजना में मिट्टी हटाने का कार्य युद्धस्तर पर, फरवरी अंत तक कोयला उत्पादन की संभावनाफोटो धनपुरी। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड लिमिटेड के सोहागपुर क्षेत्र अंतर्गत अमलाई खुली खदान परियोजना में मैगजीन क्षेत्र के नीचे दबे कोयले तक पहुंचने के लिए ऊपर की परत की मिट्टी हटाने का कार्य तेज गति से चल रहा है। यह कार्य निजी ठेका कंपनी आरकेटीसी को सौंपा गया है, जो भारी मशीनों की सहायता से दिन-रात काम कर रही है।अधिकारियों के अनुसार यदि कार्य इसी रफ्तार से चलता रहा तो आगामी 15 दिनों में, अर्थात फरवरी माह के अंत तक, यहां से कोयले की निकासी प्रारंभ हो सकती है। अमलाई परियोजना के उपक्षेत्रीय प्रबंधक पी. रवन्ना एवं खान प्रबंधक अल्बर्ट लगातार स्थल निरीक्षण कर रहे हैं और ठेका कंपनी के साथ समन्वय स्थापित कर निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण कराने में जुटे हैं।तीन दशक पुरानी आस्था का सम्मानजिस स्थान पर वर्तमान में मिट्टी हटाई जा रही है, उसी स्थल पर लगभग 30 वर्ष पूर्व मां काली की प्रतिमा स्थापित थी। वर्षों से श्रमिकों एवं अधिकारियों के बीच यह परंपरा रही है कि खदान में किसी भी बड़े कार्य से पहले मां काली की पूजा-अर्चना की जाती है, ताकि कार्य निर्विघ्न संपन्न हो और किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो।इसी परंपरा का पालन करते हुए उत्खनन कार्य से पूर्व विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई तथा भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में अधिकारी, कर्मचारी एवं स्थानीय श्रद्धालु शामिल हुए। अब मां काली की प्रतिमा को अमलाई उपक्षेत्रीय प्रबंधक कार्यालय के समीप बने मंदिर में पुनः स्थापित किया जाएगा।उत्पादन बढ़ाने की दिशा में अहम कदमअमलाई खुली खदान परियोजना सोहागपुर क्षेत्र की प्रमुख इकाइयों में से एक है। मैगजीन क्षेत्र के नीचे से कोयला निकालने की योजना को उत्पादन वृद्धि की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि इस क्षेत्र से कोयला निकासी शुरू होने पर परियोजना की उत्पादन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी और वार्षिक लक्ष्य प्राप्त करने में सहायता मिलेगी।आधुनिक मशीनों की गूंज के बीच आस्था और परंपरा का सम्मान करते हुए अमलाई परियोजना में कोयला उत्पादन का नया अध्याय प्रारंभ होने की तैयारी अंतिम चरण में है। अब सबकी निगाहें फरवरी माह के अंत पर टिकी हैं, जब यहां से कोयले की पहली खेप निकलने की संभावना जताई जा रही है।

युवाओं ने पुलवामा शहीदों की याद में निकाली भव्य तिरंगा यात्रा

भारत माता की जय से गूंजा गाँव

उमरिया ।

पुलवामा शहीदों की याद में युवा टीम उमरिया के द्वारा जम्मू कश्मीर के पुलवामा में हुए आतंकी हमले में शहीद जवानों के सम्मान में बुधवार को विशाल तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया ।गाँव कच्छरवार के शासकीय विद्यालय से आरंभ कर गाँव के चौराहे पर जाकर समाप्त हुआ। यह तिरंगा यात्रा सम्पूर्ण गाँव के मुख्य मार्गो से होते हुए गाँव के मुख्य चौराहे में पहुंचा। इस दौरान तिरंगा यात्रा में सैकड़ो की संख्या में युवा व गाँव वासी ने वीर शहीदों के सम्मान में नारेबाजी की और भारत माता का जय घोष किया। सभी ने 100 मीटर की तिरंगा के साथ शहीदों की शहादत को न सिर्फ याद किया बल्कि देश की सरजमी की खातिर अपनी जान तक कुर्बान करने के प्रति संकल्पित हुए। गौरतलब है कि जम्मू कश्मीर के पुलवामा में वर्ष 2019 के फरवरी महीने की 14 तारीख को आतंकी हमले ने सीआरपीएफ के 44 जवान शहीद हो गए थे और शहीदों की शहादत की बरसी पर शहीदों को नमन किया गया तिरंगा यात्रा के माध्यम से उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी गई। हिमांशु तिवारी ने शहीदों को नमन करते हुए कहा कि देश के वीर जवानों की कुर्बानी कभी भूली नहीं जा सकती है। उन्होंने ने कहा कि देश के जवानों के सम्मान में हर वर्ष युवा टीम राष्ट्र को समर्पित कार्यक्रमों के साथ-साथ तिरंगा यात्रा का आयोजन कर यह संदेश देती है कि हमारे दिलों में देश और भारत माता के वीर जवानों के प्रति कभी भी सम्मान कम न हो। हमारे दिलों में हमेशा उनके लिए एक स्थान रहे और उनकी शहादत को हम कभी न भूले। इस तिरंगा यात्रा के माध्यम से युवा टीम के सदस्यों ने भारत माता की जय ,वंदे मातरम, वीर जवान अमर रहे, शहीदों का बलिदान नहीं भूलेंगे ,हिंदुस्तान के नारे लगाए ।जिसकी गूंज से शहर वासी जवानों के प्रति नसमस्तक हुए और अपनी विनम्र श्रद्धांजलि दी। तिरंगा यात्रा जिस रास्ते से गुजरता गया सैकड़ो की संख्या में लोग शामिल होते गए और इस तिरंगा यात्रा को सफल बनाया। उन्होंने बताया कि हमारे देश में कई ऐसे हमले हुए। जिसमें देश के जवान शहीद हुए आजादी के बाद देश के वीर जवानों ने हमारी भारत भूमि को दुश्मनों से रक्षा करने का जो बीड़ा उठाया है उसे हम सदैव सम्मान देंगे एवं भारत माता की सेवा करते-करते जो जवान शहीद हुए हैं उनके लिए हमारे हृदय में हमेशा सम्मान रहेगा साथ ही प्रत्येक वर्ष युवा टीम किसी न किसी कार्यक्रमों के माध्यम से जवानों की शहादत को श्रद्धा अर्पण करते रहेगा।इसलिए हम 14 फरवरी को वैलेंटाइन डे मनाने की बजाए शहीद यादगार दिवस मना रहे हैं। देश की रक्षा के लिए सभी शहीदों को सम्मान देना हमारा नैतिक कर्तव्य है और शहीदों की शहादत के चलते ही हम खुली हवा में सांस ले रहे हैं। तिरंगा यात्रा के समापन में अंबेडकर चौक में पुलवामा में शहीद हुए 44 जवानों के चित्र पटल पर माला अर्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान विद्यालय प्रचार धर्मेंद्र कुमार गौतम नर्मदा प्रसाद राय, हिमांशु तिवारी, शिवांजली सोनी, राहुल सिंह, शिवानी सिंह, सुषमा सिंह, आराधना सिंह, श्रेयमश सिंह,सत्यम सिंह, देवलाल राम भगत, वैष्णवी विश्वकर्मा, अनामिका प्रजापति, सौरव पांडेय, स्नेहा सोनी, विशाखा सोनी, प्रिया पाल,साधना पाल, क्षमा यादव, मनु सोनी, सुमित विश्वकर्मा पंकज विश्वकर्मा रोशन बर्मन अमन चौधरी, रागिनी, लक्ष्मी, अमृता आरती एवं सैकड़ों की संख्या में युवा व नगर वासी उपस्थित रहे।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी का कांग्रेसियों ने किया स्वागत

मुख्यमंत्री के बयान पर पटवारी का पलटवार बयान, आदिवासियों की जमीन हड़पने के लिए विधायक संजय पाठक पर भी लगाए गंभीर आरोप,

बिरसिंहपुर पाली

मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी शहडोल संभागीय दौरे पर आये उमरिया जिले सहित पाली में ब्लॉक कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा ज़ोरदार स्वागत किया।इस दौरान पाली में बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित रहे और प्रदेश अध्यक्ष का पुष्पमालाओं से अभिनंदन किया गया।मीडिया से चर्चा करते हुए पटवारी ने भाजपा सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार पिछले 25 वर्षों में प्रदेशवासियों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने में विफल रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में प्रशासनिक व्यवस्था चरमराई हुई है और कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पुलिस कार्रवाई का भय दिखाया जाता है। भाजपा शासन में अब तो जिले के कलेक्टर भी डण्डा भांज रहे है।श्री पटवारी ने कहा की आखिर सरकार नाम की व्यवस्था है नहीं आपने "मुख्यमंत्री के बयान पर पलटवार करते हुए बीते दिनों मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने शहडोल संभाग के धनपुरी में एक सभा के दौरान कहा था कि "मैं अगर भगवान का नाम लेता हूं तो कांग्रेसियों की छाती पर सांप लोट जाता है।जिस पर आपने कहा की "मोहन यादव जी माला लेकर दिन-रात भगवान का नाम जपें, हम उनका स्वागत करते हैं। लेकिन सरकार तो चलाना हैं, तो सरकार के अनुरूप चलाना पडेगा।श्री पटवारी ने विजय राघव गढ विधायक को आडे हाथों लेते हुए कहा की संजय पाठक पर भी आदिवासियों की भूमि हडपने के तीखे आरोप लगाये। आपने साफ तौर पर कहा कि कांग्रेस पार्टी आदिवासी समुदाय के हितों की रक्षा के लिए संघर्ष करती रहेगी और यहाँ तो भाजपा उन पर अत्याचार कर रही हैं। प्रदेश अध्यक्ष के दौरे से जिले की राजनीति में सरगर्मी बढ़ गई है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने संगठन को मजबूत करने और जनहित के मुद्दों को लेकर आंदोलन तेज करने का संकल्प लिया। हालांकि वही जब पत्रकारों ने यूजीसी कानून को लेकर सवाल किया तो प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने पत्रकारों के सवालों पर बिना जबाब दिए चलते बने।

खबर संक्षेप

आज मनाया जाएगा महाशिवरात्रि का पर्व

अनूपपुर। सनातन धर्म में महाशिवरात्रि का विशेष महत्व है। देवों के देव महादेव की पूजा के लिए महाशिवरात्रि का दिन खास माना जाता है। इस दिन मंदिरों में शिव भक्तों का तांता लग जाता है। लोग शिवलिंग का जलाभिषेक करते हैं। इस दिन भक्तजन रात में भगवान शिव और माता पार्वती का जागरण करते हैं और उनका ध्यान करते हैं। माना जाता है कि शिवरात्रि के दिन महादेव का प्राकट्य हुआ था। साथ ही इसी पावन तिथि पर देवों के देव महादेव और माता पार्वती का विवाह हुआ था। इस साल महाशिवरात्रि का पर्व 15 फरवरी को मनाया जाएगा। आइए जानते हैं तिथि और चार पहर पूजा का शुभ मुहूर्त फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि की शुरुआत 15 फरवरी, रविवार के दिन शाम को 5 बजकर 4 मिनट पर होगा। वहीं अगले दिन यानी 16 फरवरी, सोमवार को शाम के 5 बजकर 34 मिनट चतुर्दशी तिथि व्याप्त होगी। ऐसे में महाशिवरात्रि का पर्व 15 जनवरी को मनाया जाएगा।

अखिलेश त्रिपाठी कहते है की शिव-पार्वती विवाहः पौराणिक मान्यता के अनुसार, महाशिवरात्रि के दिन ही भगवान शिव और माता पार्वती का विवाह हुआ था, जिसे शिव-शक्ति के दिव्य मिलन के रूप में मनाया जाता है। इसी पवित्र रात को भगवान शिव निराकार (बिना रूप) से साकार (लिंग रूप) में पहली बार प्रकट हुए थे। इसलिए भक्त रात भर जागकर शिव की आराधना करते हैं। समुद्र मंथन के समय निकले विष को भगवान शिव ने सृष्टि की रक्षा के लिए अपने कंठ में धारण किया, जिससे वे 'नीलकंठ' कहलाए। ज्योतिषचार्य का कहना है की यह दिन आत्म-साधना, ध्यान और स्थिरता का प्रतीक है। मान्यता है कि इस रात शिव जी ने तांडव नृत्य किया था। इस दिन व्रत, उपवास और शिव पर जलाभिषेक करने से जन्म-जन्मांतर के पापों से मुक्ति मिलती है। उपनिषदों में कहा गया है कि 'आकाशं लिङ्गमित्याहुः पृथ्वी तस्यपीठिका। आलयः सर्वदेवानां लयनाल्लिङ्ग मुच्यते' अर्थात आकाश लिंग है और पृथ्वी उसकी पीठिका है। इस लिंग में समस्त देवताओं का वास है। सम्पूर्ण सृष्टि का इसमें लय होता है, इसीलिए इसे लिंग कहा जाता है। इस लिंग की पूजा और अर्चना करने से आशुतोष प्रसन्न होते हैं और विशेष फल उपासक को प्रदान करते हैं।

फूफा ने भतीजे पर किया जानलेवा हमला

अमरकंटक। अमरकंटक नगर परिषद क्षेत्रांतर्गत वार्ड क्रमांक 7 बांधा मुख मार्ग स्थित अनसुईया आश्रम में शुक्रवार 13 फरवरी 2026 की रात्रि लगभग 8 से 9 बजे आश्रम विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। साधु अनसुईया दास महाराज ने अपने चार-पांच सहयोगियों के साथ मिलकर लंबे समय से आश्रम में निवासरत आदित्य कुशवाहा उर्फ अंगद (44 वर्ष) पर कथित रूप से लाठी-डंडों एवं धारदार हथियार से हमला कर दिया, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। बताया गया है कि घटना से पूर्व अनसुईया दास द्वारा आदित्य कुशवाहा की पत्नी प्रीति कुशवाहा के साथ गाली-गलौज एवं अभद्र व्यवहार किया गया। प्रीति कुशवाहा ने इसकी सूचना अपने पति को दी, जो उस समय ऑटो वाहन से यात्रियों को घुमा रहे थे। सूचना मिलते ही आदित्य कुशवाहा मौके पर पहुंचे, जहां विवाद उग्र हो चुका था।

अदालत में क्लाईंट के लिये कृष्ण बन कर खड़े हों अधिवक्ता-न्यायाधिपति भगवती प्रसाद शर्मा

फेयरनेस, गाइडेंस, अश्योरेंस और लर्निंग का पढाया पाठ, जमकर बजी तालियां

अनूपपुर जिला अधिवक्ता संघ का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

कहा जाता हैं कि सत्य की हमेशा विजय होती है। यह सही है कि हमेशा सत्य ही जीतता है। लेकिन कई बार ऐसा होता है कि न्यायालय मे सत्य कभी पराजित भी हो जाता है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि वहां सत्य अकेला होता है, संगठित नहीं होता। सत्य की विजय के लिये जिस स्तर की तैयारी की जानी चाहिये, वह नहीं की जाती। महाभारत के मैदान में पाण्डवों के साथ भगवान श्रीकृष्ण थे। लेकिन कलयुग मे कृष्ण जी हमेशा और हर जगह नहीं आ सकते। इसके लिये आपको स्वयं उच्च स्तर की तैयारी करना चाहिये। अदालत मे क्लाईंट को न्याय दिलवाने के लिये अधिवक्ता ही कृष्ण हैं। उपरोक्त विचार उच्च न्यायालय के पोर्टफोलियो जज न्यायाधिपति भगवती प्रसाद शर्मा ने जिला अधिवक्ता संघ के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के शपथ ग्रहण समारोह मे व्यक्त किये। शपथग्रहण समारोह में सपत्नीक श्रीमती रंजना शर्मा के साथ शामिल हुए और जिला सत्र न्यायाधीश श्रीमती माया विश्वलाल, जिला पंचायत की सीईओ श्रीमती अर्चना कुमारी, जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष संतोष सिंह, दिनेश नारायण पाठक, अखंड प्रताप सिंह के साथ एडीएम दिलीप पाण्डेय, एडि. एसपी जेपी मरकाम, एसडीएम कमलेश पुरी सहित अधिवक्ता गण और पत्रकारों को संबोधित करते हुए श्री शर्मा ने आशुतोष मुखर्जी के दृष्टांत का वर्णन करते हुए उन्होंने कहा कि उनके सामने एक बिल लाया गया, जो अरेबिक में था। उसके ट्रांसलेशन से वो संतुष्ट नहीं थे। उन्होंने अरब देशों से पुस्तकें मंगवाईं और चार महीने अरेबिक भाषा सीखी।

पेशे के प्रति पूर्ण ईमानदार होना चाहिय

अधिवक्ताओं को क्लाईंट को रिलीफ दिलवाने के लिये या उसे न्याय दिलवाने के लिये अदालत मे खडे होने से पहले पूरी ईमानदारी से मेहनत करनी चाहिए। अपने पेशे के प्रति पूर्ण ईमानदार होना चाहिये। उन्होने कहा कि जूनियर अधिवक्ताओ को सीनियर्स से गाईडेंस लेना ही पर्याप्त नहीं है। लक्ष्य तक पहुंचने के लिये मेहनत तो करना ही पडेगा। न्यायाधिपति श्री शर्मा ने चुटकी लेते हुए कहा कि जब कोई केस अधिवक्ता तक आता है तो उसे यह पता होता है कि यह मामला कोर्ट मे नहीं टिकेगा। इसके बावजूद अधिवक्ता क्लाईंट को अश्योर करता है कि तुम जीत जाओगे और निर्णय तुम्हारे पक्ष मे ही होगा। उन्होने एक किस्से के माध्यम से ऐसे आचरण पर कडा प्रहार करते हुए कहा कि एक व्यक्ति को बच्चा नहीं हो रहा था। किसी के बतलाने पर वह भैरव बाबा के मन्दिर गया। उसने सोचा कि रोज मन्दिर कौन आएगा, वह भैरव बाबा की मूर्ति ही घर उठा लाया। साल भर खूब उनकी पूजा की, रोज हलवा-पूडी का प्रसाद चढाया लेकिन एक साल बाद तक बच्चा नहीं हुआ तो उसने भैरव जी की मूर्ति के पास भैंस ला कर बांध दी। किसी ने पटाखा फोड़ा तो भैंस खूटा उखाड कर भाग खडी हुई। साथ मे भैरव जी की प्रतिमा भी भैंस के साथ दुर्गा मन्दिर तक पहुंच गयी। तब दुर्गा मैया ने पूछा कि अभी तक कहां थे। तो भैरव बाबा ने बच्चे वाला किस्सा बतलाया। दुर्गा मैया ने कहा कि जब तुम्हे पता था कि उसे सात जन्म तक बच्चा होने का योग नहीं है तो क्यों उसके यहाँ मुफ्त का हलवा पूडी खाते रहे।

पेशे से ईमानदारी नहीं छवि खराब होती है

अधिवक्ताओं को भी पता होता है कि इस केस में कुछ होना नहीं है। इसके बाद भी क्लाईंट को सही सलाह नहीं देना पेशे से ईमानदारी नहीं होती इससे छवि खराब होती है और लोगों का भरोसा खतम होता है। श्री शर्मा ने फेयरनेस जैसे महत्वपूर्ण बिन्दु को स्पष्ट करने के लिये तुलसीदास जी और गणेश जी की कहानी सुनाते हुए कहा कि। ईंल श्री राम सीता के लिये तुलसीदास जी का जैसा समर्पण था, वैसा ही आपका कमिटमेंट सच्चा और ईमानदार होना चाहिए। उन्होंने अधिवक्ताओं से अपील की कि सीखने, पढने के लिये कोई उम्र नहीं होती। सतत अध्ययन और सीखने की ललक होनी चाहिए। इससे पूर्व जिला सत्र न्यायाधीश श्रीमती माया विश्वलाल, दिनेश नारायण पाठक, अखंड प्रताप सिंह, अधिवक्ता अखिलेश सिंह, राजेश द्विवेदी, सुश्री मनस्वी पांडेय ने अपने विचार व्यक्त किये।

जिलाध्यक्ष संतोष सिंह ने उद्घाटन भाषण देते हुए मंचासीन अतिथियों का भावपूर्ण स्वागत किया। आभार प्रदर्शन रामकुमार राठौर ने किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ सरस्वती माता की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया। कार्यक्रम का उत्कृष्ट संचालन कोतमा के एडीजे गंगाचरण दुबे ने किया। म प्र न्यायिक कर्मचारी संघ शाखा जिला अनूपपुर के राजेश द्विवेदी ने स्वागत किया। नव निर्वाचित पदाधिकारियों को मुख्य अतिथि ने औपचारिक शपथ दिलवाते हुए शुभकामनाएँ दीं। कार्यक्रम का गौरव उत्कृष्ट मंच संचालन था। जबकि अल्प समय मे कार्यक्रम की बेहतरीन व्यवस्था एडवोकेट सनी सिंह एवं उनके सहयोगियों ने की। शपथ ग्रहण समारोह के आकर्षण का केन्द्र अधिवक्ताओं द्वारा मुख्य अतिथि का सत्तर से अधिक मालाओं से भावभीना स्वागत था।

साप्ताहिक समीक्षा बैठक हुई संपन्न, 24 बिंदुओं पर की चर्चा

हरिभूमि न्यूज राजनगर।

राजनगर कालरी डूमर कछार निकाय में प्रति सप्ताह संपन्न होने वाले समीक्षा बैठक में शासन द्वारा संचालित नागरिक मूलभूत सुविधाओं को जनसामान्य में सहज उपलब्धता हेतु 14 फरवरी दिन शनिवार को परिषद सभागार में डॉ. सुनील कुमार चौरसिया अध्यक्ष एवं जिला योजना समिति के सदस्य के मुख्यातिथ्य, निर्वाचित जन प्रतिनिधियों पार्षदगण, बिजेंद्र देवांगन, सरिता यादव, रवि सिंह, जीतेन्द्र चौहान, पार्वती सिंह गोड़, राकेश दिवान पार्षद प्रतिनिधि योगेश पालीवाल के आतिथ्य में, निकाय के अधिकारियों, कर्मचारियों की उपस्थिति में समीक्षा बैठक आयोजित की गयी।

नवाचार कर जनहित की ओर बढ़ रहा निकाय

समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए चौरसिया ने कहा कि शासन के कार्यों में तेजी लाने एवं आम नागरिकों तक जन सुविधा अनिवार्य और आवश्यक रूप से जमीनी स्तर पर पहुँच सके इसके लिए नवाचार करते हुए प्रत्येक शनिवार को संपन्न होने वाले समीक्षा बैठक में आगामी शनिवार से जनसुनवाई को भी शामिल किया गया है, समीक्षा बैठक के दौरान प्रातः 10.30 से दोपहर 12.30 बजे तक संबंधित जन जनसुनवाई के माध्यम से भी अपनी समस्याओं को निकाय और निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के समक्ष रख सकते हैं, जनसुनवाई में प्राप्त जन शिकायतों को जनहित में उपलब्ध संसाधनों के अनुसार त्वरित और जल्द से जल्द निपटान करने की योजना निकाय एवं निर्वाचित जनपद नीतियों के द्वारा बनायी गयी है।

कथित शिकायतकर्ता ने आवेदन से किया लिखित इनकार

सेडमैप आउटसोर्सिंग विवाद में बड़ा खुलासा

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

अनूपपुर जिले में स्वास्थ्य विभाग की आउटसोर्सिंग नियुक्ति को लेकर सामने आए विवाद ने अब नया मोड़ ले लिया है। जिस व्यक्ति के नाम से सेडमैप साक्षात्कार प्रक्रिया में भ्रष्टाचार और अवैध वसूली के आरोप लगाए जा रहे थे, उसी व्यक्ति ने लिखित रूप से इन आरोपों का इनकार कर दिया है। आवेदन में स्पष्ट किया गया है कि उनके द्वारा न कोई शिकायत की गई और न ही किसी से धन की मांग हुई है।

स्वास्थ्य विभाग में आउटसोर्सिंग नियुक्ति प्रक्रिया को लेकर उठे सवालों के बीच अब मामले में भ्रम और गहराता दिखाई दे रहा है। सेडमैप (उद्यमिता विकास केंद्र) के माध्यम से आयोजित साक्षात्कारों को लेकर जिस शिकायत के आधार पर गंभीर आरोप सामने आए थे, उसी शिकायतकर्ता बताए जा रहे व्यक्ति ने अब स्वयं सामने आकर पूरे प्रकरण से दूरी बना ली है। धीरोल निवासी वसंत कुमार प्रजापति द्वारा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को 14 फरवरी 2026 को दिए गए लिखित आवेदन में स्पष्ट किया गया है कि उनके नाम से प्रसारित शिकायत और आरोपों से उनका कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने कहा है कि न तो उन्होंने किसी डॉक्टर या अधिकारी पर धन मांगने का आरोप लगाया है और न ही किसी प्रकार की शिकायत दर्ज कराई है। इस इनकार के बाद सवाल यह खड़ा हो गया है कि यदि शिकायतकर्ता स्वयं इनकार कर रहा है, तो फिर आरोपों की शुरुआत कहां से हुई और किस उद्देश्य से उनके नाम का उपयोग किया गया। अब यह मामला केवल नियुक्ति प्रक्रिया ही नहीं, बल्कि कथित फर्जी शिकायत और नाम के दुरुपयोग से भी जुड़ गया है।

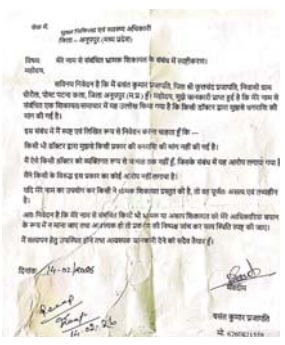

मेरे नाम से कोई शिकायत नहीं

अपने आवेदन में वसंत कुमार प्रजापति ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि उनके द्वारा सेडमैप आउटसोर्सिंग साक्षात्कार से संबंधित कोई भी आवेदन या शिकायत प्रस्तुत नहीं की गई है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया है कि उनके नाम को जिस प्रकार आरोपों से जोड़ा जा रहा है, वह तथ्यहीन है। आवेदन के अनुसार, उन्हें यह जानकारी मिली कि उनके नाम से यह प्रचार किया जा रहा है कि किसी डॉक्टर द्वारा उनसे धनराशि की मांग की गई थी, जबकि वास्तविकता में ऐसा कभी हुआ ही नहीं। उन्होंने प्रशासन से अनुरोध किया है कि उनके नाम से जुड़ी किसी भी कथित शिकायत को उनका आधिकारिक बयान न माना जाए।

धन मांग और भ्रष्टाचार के आरोपों से साफ इनकार

इनकार पत्र में वसंत कुमार प्रजापति ने विशेष रूप से यह उल्लेख किया है कि किसी भी डॉक्टर या अधिकारी ने उनसे किसी भी प्रकार की धनराशि की मांग नहीं की। उन्होंने यह भी कहा है कि जिन अधिकारियों के नाम आरोपों में लिए जा रहे हैं, उन्हें वे व्यक्तिगत रूप से जानते तक नहीं हैं। उन्होंने साफ किया कि न उन्होंने किसी को रिश्वत दी और न ही किसी से इस प्रकार की कोई बातचीत हुई। इस बयान के बाद से अब यह प्रश्न उठ रहा है कि जिन आरोपों को लेकर जांच की बात हो रही थी, उनका आधार कितना ठोस है।

नाम के दुरुपयोग की आशंका, प्रशासन से स्पष्टीकरण की मांग

वसंत कुमार प्रजापति ने अपने आवेदन में यह आशंका भी जताई है कि उनके नाम का दुरुपयोग कर किसी अन्य व्यक्ति या समूह द्वारा शिकायत प्रस्तुत की गई हो सकती है। उन्होंने इसे असत्य और भ्रामक बताते हुए कहा है कि ऐसा कृत्य उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने वाला है। उन्होंने प्रशासन से आग्रह किया है कि यदि उनके नाम से कोई शिकायत दर्ज पाई जाती है, तो उसकी निष्पक्ष जांच कर सच्चाई सामने लाई जाए और उन्हें उस प्रकरण से अलग रखा जाए।

इनकार के बाद जांच की दिशा पर सवाल

इस लिखित इनकार के बाद अब पूरे प्रकरण की जांच की दिशा पर सवाल उठने लगे हैं। पहले जहां ध्यान आउटसोर्सिंग नियुक्ति प्रक्रिया पर था, वहीं अब यह भी जांच का विषय बन गया है कि शिकायत वास्तव में किसने और किस उद्देश्य से की। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, इनकार पत्र को रिकॉर्ड में लिया गया है और आगे की कार्रवाई तथ्यों की पुष्टि के बाद ही की जाएगी।

फिलहाल दस्तावेज़ों पर आधारित मामला, जांच के बाद ही सच्चाई

वर्तमान में यह पूरा मामला शिकायत, इनकार पत्र और उपलब्ध दस्तावेज़ों पर आधारित है। प्रशासनिक जांच पूरी होने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि आरोप निराधार थे या किसी स्तर पर गड़बड़ी हुई। फिलहाल आमजन और अभ्यर्थियों की नजर प्रशासन पर टिकी है कि वह इस पूरे प्रकरण को किस पारदर्शिता और गंभीरता से सुलझाता है।

500 दिन लगातार विद्युत उत्पादन अमरकंटक ताप विद्युत गृह ने प्रदेश का बढ़ाया गौरव

हरिभूमि न्यूज चचाई।

मध्य प्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड चचाई के अमरकंटक ताप विद्युत गृह ने निरंतर 500 दिन तक बिना रुके विद्युत उत्पादन कर नए-नए कीर्तिमान गढता जा रहा है। इस उपलब्धि ने न केवल मध्य प्रदेश बल्कि पूरे देश को गौरवान्वित किया है यह सफलता प्रदेश के ऊर्जा क्षेत्र में एक ऐतिहासिक उपलब्धि मानी जा रही है।

विद्युत गृह ने बनाया कीर्तिमान

ताप विद्युत ग्रह की 210 मेगावाट इकाई ने दिनांक 1 अक्टूबर 2024 से निरंतर 500 दिन बिजली उत्पादन करते हुए ऐतिहासिक उपलब्धि का अनोखा रिकॉर्ड बनते जा रहा है ताप विद्युत ग्रह की 210 मेगावाट इकाई ने अपने स्थापना वर्ष 2009 से निरंतर ताप विद्युत उत्पादन में नए-नए कीर्तिमान बनाया है इस इकाई ने 1 अक्टूबर 2024 से 12 फरवरी 2026 तक 500 दिन की अवधि तक निरंतर बिजली उत्पादन करते हुए कीर्तिमान रचा।

कुशल संचालन का परिणाम

बिजली उत्पादन के क्षेत्र में यह एक बड़ी उपलब्धि जो इस इकाई के कुशल संचालन और रखरखाव की गुणवत्ता को दर्शाता है इस अवधि के दौरान इकाई ने निश्चित मानकों का पालन करते हुए दिसंबर 2025 तक पीएफ 97.73 प्रतिशत और पीएलएफ 92.97 प्रतिशत दर्ज किया है यह किसी भी ताप विद्युत इकाई के लिए उत्कृष्ट मानक है इसी तरह

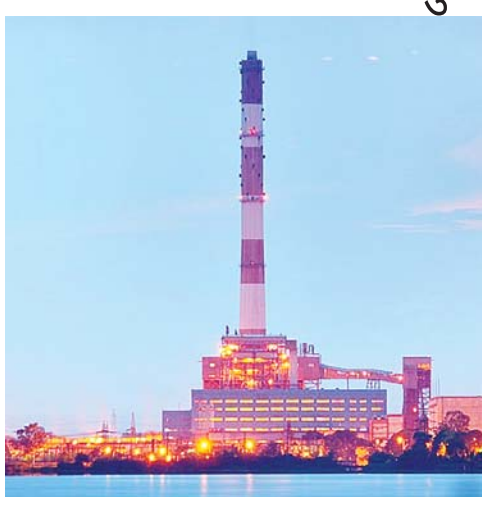

स्पेसिफिक आयल कंजम्पशन में भी अत्यधिक कमी दर्ज की गई है दिसंबर 2025 तक स्पेसिफिक आयल कंजम्पशन 0.50 की तुलना में 0.00 दर्ज किया गया।

देश के स्टेट सेक्टर की पहली यूनिट बनी

ताप विद्युत ग्रह की 210 मेगा वाट इकाई ने प्रदेश के ऊर्जा क्षेत्र में स्वर्णिम अध्याय लिखते हुए आज एक नया रिकॉर्ड कायम किया बिना रुके लगातार 500 दिनों तक बिजली उत्पादन कर प्रदेश के स्टेट सेक्टर में प्रथम स्थान अर्जित किया है।

ऐतिहासिक उपलब्धि पर विशेष योगदान

विद्युत गृह के निरंतर विद्युत उत्पादन में कोयले का विशेष योगदान रहा प्लांट में पहले रेलवे बैगन से आने वाले कोयले को खाली करने में 120 मजदूर 24 घंटे में खाली करते थे किंतु कार्यपालक निदेशक तनवीर अहमद एवं सर्विसेज विभाग के ऐसी की योग्यता व सूझबूझ से गुणवत्ता युक्त कोयला बीआर बैगन से मगाने का निर्णय लिया जिससे 2 घंटे में बैगन खाली होने से मंडल को लगने वाला करोड़ों रुपए का डेमरेज चार्ज बचने लगा साथ ही बीआर बैगन को खाली करने हेतु जरूरी प्रेशर पाइपलाइन की जरूरत होती है जिसे कार्यपालक निदेशक व विभाग ने निर्णय लेकर 48 घंटे में कड़ी मेहनत से पाइपलाइन बॉयलर से लेकर सीएचपी हापड़ तक बनाकर इस समस्या का समाधान किया जिसमें वर्तमान में कार्यरत ठेकेदार अनवर खत्री ने अपना नुकसान ना देख संबंधित अधिकारियों को कुशल मजदूर उपलब्ध करा बीआर बैगन खाली करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई इन सबके महत्वपूर्ण योगदान से प्लांट में कोयला सुचारू रूप से मिलता रहा और विद्युत उत्पादन में निरंतरता बनी रही।

कार्यपालक निदेशक ने दी बधाई

विद्युत गृह के कार्यपालक निदेशक तनवीर अहमद ने इस उपलब्धि पर अपनी खुशी व्यक्त करते हुए इस कार्य में लगे सभी इंजीनियरों तकनीकी कर्मचारी ठेकेदारों एवं ठेका श्रमिकों को बधाई देते हुए कहा कि किसी भी ताप विद्युत गृह के लिए यह बहुत गौरव की बात है और भविष्य में इसी तरह के उत्पादन और दक्षता की सभी से अपेक्षा है।

शिक्षा में उत्कृष्टता की ओर कदम एमबी पावर स्कूल अब डीएव्ही प्रबंधन के साथ

डीएव्ही प्रबंधन के अधीन होगा सीबीएसई संबद्ध विद्यालय का संचालन

हरिभूमि न्यूज अनुपपुर। एमबी पावर (मध्य प्रदेश) लिमिटेड, प्रबंधन के द्वारा, परियोजना टाउनशिप स्थित 10$2 सीबीएसई संबद्ध विद्यालय का संचालन एवं प्रबंधन, डीएव्ही कॉलेज ट्रस्ट एवं मैनेजमेंट सोसायटी को सौंपने का निर्णय लिया गया है। यह निर्णय विद्यालय के शैक्षणिक मानकों, आधारभूत संरचना और समग्र प्रशासन को और सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। विद्यालय की स्थापना, कर्मचारियों के बच्चों, परियोजना प्रभावित परिवारों तथा आसपास के क्षेत्रों के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से की गई थी। बता दें कि यह संस्थान वर्षों से सामाजिक एवं शैक्षणिक विकास के क्षेत्र में जाना जाने वाला एक महत्वपूर्ण केंद्र रहा है। देश की अग्रणी शैक्षणिक श्रृंखला डीएव्ही वर्तमान में भारतभर में 1000 से अधिक शिक्षण संस्थानों का संचालन कर रही है। मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ में 136 से अधिक विद्यालयों का सफल संचालन डीएव्ही द्वारा किया जा रहा है। उत्कृष्ट शैक्षणिक परिणाम, अनुशासित वातावरण, संस्कारयुक्त शिक्षा एवं विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए डीएव्ही विद्यालयों की व्यापक पहचान है।

सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' के रूप में विकास- कंपनी परिसर में स्थित इस स्कूल को पेशेवर प्रबंधन द्वारा शिक्षा के एक 'उत्कृष्टता केंद्र के रूप में निखारा जाएगा। उत्कृष्टता की दिशा में विशेष प्रयास इन बिंदुओं पर आधारित होंगे, शैक्षणिक गुणवत्ता एवं परिणामों में निरंतर सुधार, शिक्षकों का नियमित प्रशिक्षण एवं आधुनिक शिक्षण पद्धतियों का अनुपालन, सह-पाठ्यक्रम एवं खेल गतिविधियों का विस्तार, डिजिटल लर्निंग एवं स्मार्ट शिक्षण साधनों का समावेश, मूल्य-आधारित शिक्षा, अनुशासन एवं चरित्र निर्माण, नया प्रबंधन विद्यालय की आत्मनिर्भरता और सामुदायिक सेवा के बीच एक आदर्श संतुलन स्थापित करने के प्रति संकल्पित है, ताकि सेवा का मूल उद्देश्य निरंतर बना रहे। कंपनी ने स्पष्ट किया है कि यह परिवर्तन विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य को ध्यान में रखते हुए किया गया है। संस्थान इस परिवर्तन की अवधि को पूर्णतः पारदर्शी और सुचारु बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। बेहतर शिक्षा की ओर एक मजबूत कदम उज्ज्वल भविष्य की नई नींव।